



सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM)

सन्दर्भ: हाल ही में GeM के तहत कोयला मंत्रालय ने खरीद हेतु अपने लक्ष्य से अधिक, 28,665 करोड़ रुपये की पर्याप्त राशि तक पहुंच बना ली है।

- **GeM का उद्देश्य:** GeM (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) विभिन्न सरकारी विभागों, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (PSUs) द्वारा आमतौर पर उपयोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए एक ऑनलाइन मंच के रूप में कार्य करता है।
- **आरम्भ:** यह पहल आधिकारिक तौर पर भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में अगस्त 2016 में शुरू की गई थी।
- **GeM 3.0:** नवीनतम संस्करण, जिसे GeM 3.0 के नाम से जाना जाता है, 26 जनवरी, 2018 को लांच किया गया था।
- **विशेषताएं:** GeM 3.0 ई-बोली, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण जैसे उपकरण प्रदान करता है। इन सुविधाओं का उद्देश्य सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाते हुए सरकारी उपयोगकर्ताओं को उनके व्यय के लिए सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने में मदद करना है।
- **सार्वजनिक खरीद का महत्व:** सार्वजनिक खरीद में वे सभी प्रक्रियाएँ शामिल हैं जिनके माध्यम से सरकारें और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम निजी क्षेत्र के आपूर्तिकर्ताओं से सामान और सेवाएँ प्राप्त करते हैं।
- **आर्थिक प्रभाव:** सार्वजनिक खरीद भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 15-20% है। इसलिए, सार्वजनिक खरीद प्रणाली का कुशल संचालन सुनिश्चित करना देश की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है।

GeM में हालिया विकास

- **GeM आउटलेट स्टोर:** GeM ने विभिन्न उत्पाद श्रेणियों के लिए आउटलेट स्टोर शुरू किए हैं, जिनमें SARAS, आजीविका, ट्राइब्स इंडिया, स्टार्टअप रनवे, खादी इंडिया, इंडिया हैंडलूम, इंडिया हैंडीक्राफ्ट आदि शामिल हैं।
- **जीईएम-सीआईआईई समझौता ज्ञापन:** GeM ने GeM-CII उत्कृष्टता केंद्र (CoE) स्थापित करने के लिए भारतीय उद्योग परिषद (CII) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह CoE GeM को प्रशिक्षण, अनुसंधान और वकालत जैसी सहायता प्रदान करेगा।
- **जीईएम, सीएससी और इंडिया पोस्ट इंटीग्रेशन:** भारत की डाक प्रणाली, इंडिया पोस्ट और कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) को पूरे देश में GeM के साथ एकीकृत किया गया है। यह एकीकरण इंडिया पोस्ट को देश के सबसे दूरदराज के इलाकों में भी GeM पर विक्रेताओं और खरीदारों को लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाता है।
- **बांस बाजार :** राष्ट्रीय बांस मिशन के सहयोग से, GeM पोर्टल पर बांस के सामान के विपणन के लिए एक समर्पित मिशन बनाई गई है।

विशेष और स्थानीय कानून (एसएलएल)

सन्दर्भ: आईपीसी और अन्य विधेयकों के अनुरूप हाल ही में एसएलएल में संशोधन की मांग की गई है।

- **आईपीसी और सीआरपीसी आपराधिक कानून का भाग:** आईपीसी और सीआरपीसी, अपराध और कानूनी प्रक्रियाओं सहित सामान्य आपराधिक कानून के एक हिस्से को कवर करते हैं।
- **एसएलएल का महत्व:** विशेष और स्थानीय कानून (एसएलएल) भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं हैं।
- **सुधारों में एसएलएल की उपेक्षा:** वर्तमान में चल रहे कानूनी सुधारों में एसएलएल को संबोधित न करना एक बड़ी चूक है।
- **एसएलएल का महत्व:** 2021 में, सभी संज्ञेय अपराधों में से 39.9% अपराध एसएलएल के तहत थे, 24.3 लाख अपराध विशेष रूप से उनके तहत दर्ज किए गए थे।
- **गुणात्मक प्रभाव:** एसएलएल ने अपराध घोषित करने की राज्य की शक्ति पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है, खासकर व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रता के संदर्भ में।

ये कानून क्या हैं?

- **विशेष कानून परिभाषा:** विशेष कानून वे नियम हैं जो विशिष्ट मुद्दों का समाधान करते हैं। वे मुख्य रूप से नए आपराधिक गतिविधि पेश करते हैं साथ ही अनिवार्य रूप से उन कार्यों को अवैध बनाते हैं जो पहले दंड संहिता के अंतर्गत नहीं आते थे।
- **विशेष कानूनों के उदाहरण:** विशेष कानूनों में उत्पाद शुल्क, अफीम, मवेशी अतिचार, जुआ और रेलवे अधिनियम जैसे अधिनियम शामिल हैं। ये कानून कानूनी परिदृश्य के विशेष क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- **परक्राम्य लिखत अधिनियम की विशिष्ट स्थिति:** परक्राम्य लिखत अधिनियम एक अलग कानून है, और इसके प्रावधानों को आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 से अधिक प्राथमिकता दी जाती है।
- **"स्थानीय कानून" परिभाषा:** "स्थानीय कानून" एक विनियमन है जो विशेष रूप से भारत के भीतर एक विशिष्ट क्षेत्र या इलाके पर लागू होता है। ये कानून पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम जैसे कुछ क्षेत्रों के विशिष्ट मामलों को संबोधित करने के लिए तैयार किए गए हैं।

संशोधन की आवश्यकता

- **विशेष कानूनों (एसएलएल) में महत्वपूर्ण मुद्दे:**
 - कुछ एसएलएल, जैसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूपीए) और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 1999 (मकोका), अपराधों और शतों की कमी, अस्पष्ट और अस्पष्ट परिभाषाओं से विरोधाभासी बने हुए हैं, जैसे 'आतंकवादी कृत्य', 'गैरकानूनी गतिविधि', 'संगठित अपराध', और 'संगठित अपराध सिंडिकेट'।
 - यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 को नाबालिगों के बीच सहमति से यौन गतिविधियों पर लागू होने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है। एसएलएल के माध्यम से ऐसे आचरण को आपराधिक बनाना चिंतनीय है, जिन्हें अधिक उचित रूप से नागरिक गलतियों या नियामक मामलों के रूप में संबोधित किया जा सकता है।
 - पी. मोहनराज बनाम मेसर्स शाह ब्रदर्स इस्पात लिमिटेड (2021) के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 138 को 'क्रिमिनल वूल्फ (criminal wolf's)' के भेष में 'सिविल शिप (civil sheep)' के रूप में संदर्भित किया।

Face to Face Centres





➤ एसएलएल में प्रक्रियात्मक परिवर्तन:

- अन्य बातों के अलावा एसएलएल में प्रक्रियात्मक परिवर्तन भी पेश किए हैं जो उचित प्रक्रिया मूल्यों को प्रभावित करते हैं।
- उदाहरण के लिए में यूएपीए की धारा 43ए के तहत तलाशी और जूबी की बढ़ी हुई शक्तियां और मकोका की धारा 18 के तहत पुलिस अधिकारियों द्वारा दर्ज की गई स्वीकारोक्ति की स्वीकार्यता भी शामिल हैं।
- यूएपीए की धारा 43(डी)(5), स्वापक औषधि तथा नशीले पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 37, और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 की धारा 45 में कड़े प्रावधान हैं।

हर्टलैंड त्रिपुरा अभियान (Heartland Tripura Campaign)

सन्दर्भ: केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर, "हार्टलैंड त्रिपुरा अभियान" परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

परियोजना "हार्टलैंड त्रिपुरा":

- यह डेलॉइट (Deloitte) और अगरतला में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) के सहयोग से शुरू की गई एक कौशल विकास पहल है।
- **उद्देश्य:** "हार्टलैंड त्रिपुरा अभियान" का प्राथमिक लक्ष्य इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग दोनों विषयों में स्नातक छात्रों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करना है।
- **कार्यान्वयन भागीदार:** डेलॉइट, NIELIT, अगरतला के साथ साझेदारी में, भारत सरकार और त्रिपुरा सरकार के सहयोग से परियोजना को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।
- **कौशल विकास पाठ्यक्रम:** "हार्टलैंड त्रिपुरा अभियान" NIELIT-अगरतला के माध्यम से विशेष कौशल विकास प्रमाणन प्रदान करेगा। परिणामतः इंटरशिप के साथ इन पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने से नौकरी के आशाजनक अवसर मिल सकते हैं।
- **पाठ्यक्रम विषय:** प्रमाणन पाठ्यक्रमों में तकनीकी और व्यावसायिक कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी, जिसमें साइबर सुरक्षा, आंतरिक ऑडिट, एनालिटिक्स और व्यावसायिक संचार और कार्यकारी उपस्थिति जैसे सॉफ्ट कौशल शामिल हैं।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए पीएम-विकास पहल (पीएम-डिवाइन)

- **बुनियादी ढांचे का विकास:** पीएम गतिशक्ति के सिद्धांतों के अनुरूप, पीएम-डिवाइन का लक्ष्य समस्त पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में सुचारू कनेक्टिविटी और पहुंच सुनिश्चित करते हुए, समन्वित तरीके से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्तपोषित करना है।
- **सामाजिक विकास पहल का समर्थन करना:** एनईआर की विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, इस योजना का उद्देश्य सामाजिक विकास परियोजनाओं की सहायता करना है जो महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करते हैं और क्षेत्र के निवासियों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करते हैं।
- **युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना:** पीएम-डिवाइन पूर्वोत्तर क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ आजीविका के अवसर निर्माण करने का प्रयास करता है। यह सशक्तिकरण उन्हें क्षेत्र के विकास और उन्नति में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाता है।

उत्तर पूर्व विशेष अवसरचना विकास योजना (एनईएसआईडीएस)

- **एनईएसआईडीएस योजना का वित्तपोषण:** एनईएसआईडीएस 100% केंद्रीय आवंटन के साथ एक केंद्र पोषित योजना है। इसे 2022-23 से 2025-26 की अवधि को कवर करते हुए 8,139.50 करोड़ रुपये के नवीनीकृत परिव्यय के लिए अनुमोदित किया गया है।
- **योजना घटक:** इस योजना में दो घटक शामिल हैं: एनईएसआईडीएस-सड़क और एनईएसआईडीएस-सड़क से अन्य बुनियादी ढांचा (ओटीआरआई)।
- **एनईएसआईडीएस का एकीकरण:** पूर्व उत्तर पूर्व सड़क क्षेत्र विकास योजना (एनईएसआईडीएस) के एनईएसआईडीएस-रोड में विलय के परिणामस्वरूप नए परिचालन दिशानिर्देश तैयार हुए हैं।
- **एनईएसआईडीएस उद्देश्य:** एनईएसआईडीएस को उत्तर पूर्वी राज्यों में निर्दिष्ट क्षेत्रों के भीतर कनेक्टिविटी में सुधार पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

फ्लेक्सिबल सुपरकैपेसिटर (Flexible Supercapacitors)

सन्दर्भ: कुशल ऊर्जा भंडारण को सक्षम करने के लिए फ्लेक्सिबल सुपरकैपेसिटर बनाने के लिए कंडक्टिंग पॉलिमर और नैनोस्ट्रक्चर्ड अकार्बनिक ऑक्साइड हाइब्रिड का उपयोग किया गया है।

- सनातन धर्म कॉलेज, अलाप्पुझा के शोधकर्ताओं ने हाइब्रिड इलेक्ट्रोड के साथ एक फ्लेक्सिबल सममित सुपरकैपेसिटर विकसित किया है।
- यह सुपरकैपेसिटर असाधारण विद्युत रासायनिक गुण, स्थिरता और उच्च ऊर्जा घनत्व प्रदर्शित करता है।
- बढ़ती ऊर्जा मांगों के कारण कुशल और स्थिर इलेक्ट्रोड सामग्रियों की खोज इस अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण आयाम है।
- इसका उद्देश्य बैटरियों के बराबर सुपरकैपेसिटर की ऊर्जा घनत्व को बढ़ाना है।
- अपने स्यूडोकैपेसिटिव गुणों के साथ कंडक्टिंग पॉलिमर, सुपरकैपेसिटर इलेक्ट्रोड के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- हाइब्रिड इलेक्ट्रोड उच्च-आणविक-भार पॉलीएनिलिन (पैनी) और वैनेडियम पेंटोक्साइड नैनोस्ट्रक्चर से बना है।
- पारंपरिक PANi-आधारित इलेक्ट्रोड के विपरीत, यह हाइब्रिड इलेक्ट्रोड एम-क्रैसोल में द्वितीयक डोपेंट के साथ मिलकर बनाया गया है।
- नैनो संरचित V2O5 के साथ उच्च आणविक भार वाले PANi का समावेश व्यक्तिगत सामग्रियों की कमियों को संबोधित करता है और एक सहक्रियात्मक प्रभाव प्रदर्शित करता है।
- उपर्युक्त इलेक्ट्रोडों का उपयोग करके बनाया गया फ्लेक्सिबल सुपरकैपेसिटर बहुत उच्च ऊर्जा घनत्व और साइकलिंग स्थिरता के साथ उत्कृष्ट विद्युत रासायनिक विशेषताओं को दर्शाता है।
- यह जलीय इलेक्ट्रोलाइट्स का उपयोग करने वाले सुपरकैपेसिटर के लिए पहले बताए गए सभी मानों से अधिक है।

Face to Face Centres



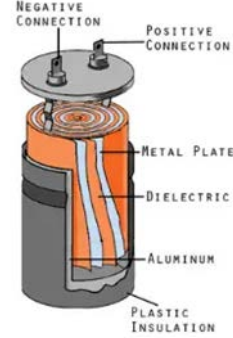


➤ **कैपेसिटर:**

- कैपेसिटर एक विद्युत उपकरण है।
- इसके दो टर्मिनल हैं।
- इसका उद्देश्य विद्युत ऊर्जा को विद्युत आवेश के रूप में संग्रहित करना है।
- इसमें दो विद्युत चालक होते हैं।
- ये कंडक्टर एक विशिष्ट दूरी से अलग होते हैं।
- कंडक्टरों के बीच की जगह को वैक्यूम या एक इन्सुलेट सामग्री से भरा जा सकता है जिसे डांकता हुआ कहा जाता है।

➤ **संधारित्र का कार्य करना**

- एक संधारित्र विद्युत ऊर्जा संग्रहित करता है।
- इसमें वोल्टेज लागू करने वाली दो प्लेटें हैं।
- चार्जिंग के दौरान, एक प्लेट सकारात्मक चार्ज जमा करती है, और दूसरी प्लेट पर ऋणात्मक आवेश जमा हो जाता है।
- चार्जिंग का समय तब पूरा होता है जब कैपेसिटर अपने अधिकतम चार्ज तक पहुँच जाता है।
- यह ऊर्जा स्रोत के रूप में भी काम कर सकता है।
- जब विद्युत करंट एक प्लेट से दूसरी प्लेट में प्रवाहित होता है, तो संग्रहित चार्ज नष्ट हो जाता है।
- इसके निर्वहन में लगने वाले समय को अपव्यय समय कहा जाता है।



NEWS IN BETWEEN THE LINES

वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)



हाल ही में, मुंबई की वायु गुणवत्ता काफी खराब हो गई है, AQI स्तर 161 है, जो दिल्ली से भी अधिक है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक के बारे में:

- इसे केंद्र सरकार द्वारा 2014 में स्वच्छ भारत अभियान के अंग के रूप में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य प्रदूषण की सामान्य समझ को सरल बनाना है।
- AQI विभिन्न प्रदूषकों के जटिल वायु गुणवत्ता डेटा को एक एकल संख्या (सूचकांक मान), नामकरण और रंग में बदल देता है।
- यह पीएम 10, पीएम 2.5, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, ओजोन और कार्बन जैसे प्रदूषकों की निगरानी करता है।

रंग-कोडित सूचकांक: रंग-कोडित AQI सूचकांक जनता और सरकार के लिए वायु गुणवत्ता की स्थिति को समझना आसान बनाता है और उचित उपाय करने के लिए मार्गदर्शन करता है।

AQI श्रेणियाँ: वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में छह श्रेणियाँ शामिल हैं: 'अच्छा' (0-50), 'संतोषजनक' (50-100), 'मध्यम प्रदूषित' (100-200), 'खराब' (200-300), 'बहुत खराब' (300-400) और 'गंभीर' (400-500)।

मुथुवन जनजाति



हाल ही में, वन विभाग ने नीलगिरि तहर के संरक्षण में प्रयासों को बढ़ाने के लिए **अनामलाई पहाड़ियों** की मुथुवन जनजाति के साथ सहयोग शुरू किया है।

मुथुवन जनजाति के बारे में:

- अनामलाई पहाड़ियों में रहने वाली मुथुवन जनजाति नीलगिरि तहर की रक्षा के लिए समर्पित परियोजना नीलगिरि तहर में सक्रिय रूप से शामिल होगी।
- मुथुवन अपने व्यापक पारंपरिक ज्ञान और पहाड़ियों की समझ के लिए प्रसिद्ध हैं।
- मुथुवन जनजाति की आबादी तमिलनाडु और केरल राज्यों में पश्चिमी घाट के भीतर खंडित आवासों तक ही सीमित है।
- परंपरागत रूप से, मुथुवन को खानाबदोश कृषक और शिकारी जनजाति के रूप में जाना जाता है।
- उनकी प्राथमिक कृषि गतिविधियों में कॉफी, अदरक, गन्ना और धान की खेती शामिल है।
- वे छोटे समुदायों में रहते हैं जिन्हें "कुडी" कहा जाता है, प्रत्येक का नेतृत्व एक नेता करता है जिसे "कानी" या "मूपन" कहा जाता है।

परमाणु ब्रीफ़केस



हाल ही में, व्लादिमीर पुतिन की चीन में 'परमाणु ब्रीफ़केस' के साथ उपस्थिति ने इसके इतिहास और इसमें मौजूद वर्गीकृत सामग्री में रुचि उत्पन्न की है।

परमाणु ब्रीफ़केस के बारे में:

- परमाणु ब्रीफ़केस रूस में परमाणु हमलों को अधिकृत करने में एक महत्वपूर्ण घटक है।
- यह किसी देश के परमाणु शस्त्रागार की कमान और नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- ब्रीफ़केस को "चेगेट" के नाम से भी जाना जाता है, जिसका नाम काकेशस पर्वत में माउंट चेगेट के नाम पर रखा गया है।
- यह रॉकेट बलों को परमाणु हमले के आदेश देने के लिए एक सुरक्षित संचार प्रणाली का एक हिस्सा है।
- संचार की सुविधा 'काज़बेक' इलेक्ट्रॉनिक कमांड-एंड-कंट्रोल नेटवर्क के माध्यम से की जाती है, जो 'काव्काज़' ('Kavkaz) का समर्थन करता है।

ऐतिहासिक उपयोग:




- परमाणु ब्रीफ़केस का उपयोग 1995 में एक संकट के दौरान किया गया था जब इसे नॉर्वे के उत्तरी तट के पास एक गलत रॉकेट प्रक्षेपण के जवाब में खोला गया था।
- 2019 में, प्रधान मंत्री इमरान खान को एक काले ब्रीफ़केस के साथ देखा गया था जिसमें पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के कोड थे।

Face to Face Centres





20 October, 2023

<p>गुलाबी सुंडी</p> 	<p>हाल ही में, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान सहित उत्तर भारतीय राज्यों में कपास की फसलें गुलाबी बॉलवर्म के हमलों से गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं।</p> <p>पिंक बॉलवर्म के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ पिंक बॉलवॉर्म (वैज्ञानिक नाम: पेक्टिनोफोरा गॉसीपिएला) कपास के सबसे विनाशकारी कीटों में से एक है। ➤ यह मूल रूप से भारत का स्थानीय कीट है और अब दुनिया भर के लगभग सभी कपास उत्पादक देशों में पाया जाता है। ➤ वयस्क पतंगे लगभग 3/8 इंच लंबे, गहरे भूरे रंग के होते हैं और उनके अगले पंख पर निशान होते हैं। ➤ हालांकि, सबसे विनाशकारी चरण लार्वा चरण है, जो विशिष्ट गुलाबी पट्टियों की विशेषता है और प्यूपा बनने से पहले 1/2 इंच तक की लंबाई तक पहुंचता है। <p>पारिस्थितिक खतरा:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ वयस्क पतंगों का जीवनकाल छोटा होता है, लेकिन एक मादा 200 से अधिक अंडे दे सकती है। ➤ ये अंडे कपास के बीजकोषों पर दिए जाते हैं, और इनसे निकले लार्वा कपास के बीजों को खाते हैं और रेशों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे फसल की उपज और गुणवत्ता कम हो जाती है।
<p>नेत्र विज्ञान</p> 	<p>हाल ही में, नेत्र विज्ञान (Ophthalmology) के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।</p> <p>नेत्र विज्ञान के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ नेत्र विज्ञान एक चिकित्सा उपविशेषज्ञता (medical subspecialty) है जो नेत्र विकारों के निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित करती है। ➤ नेत्र विज्ञान का नेत्र देखभाल में नवाचार और अनुसंधान का इतिहास रहा है। ➤ नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा उपचारित सामान्य नेत्र रोगों में मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मैक्यूलर डीजनरेशन शामिल हैं। ➤ नेत्र रोग विशेषज्ञ विभिन्न नैदानिक विधियों जैसे दृश्य तीक्ष्णता मूल्यांकन, टोनोमेट्री और ऑप्टिकल कोहरेन्स टोमोग्राफी (ओसीटी) और फ्लोरेसेंस एंजियोग्राफी जैसे विशेष परीक्षणों का उपयोग करते हैं।
<p>समाचारों में स्थान</p> <p>लाओ पीडीआर</p>	<p>हाल ही में, लाओ पीडीआर 2023 में बांग्लादेश के बाद लिम्फेटिक फाइलेरियासिस को खत्म करने वाला दूसरा देश बन गया है।</p> <p>लाओ पीडीआर (राजधानी: वियनतियाने)</p> <p>अवस्थिति : लाओ पीडीआर एक भू-आबद्ध देश है जो दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित है।</p> <p>राजनीतिक सीमाएँ: इसकी सीमाएँ उत्तर में चीन, उत्तर पूर्व और पूर्व में वियतनाम, दक्षिण में कंबोडिया, पश्चिम में थाईलैंड और उत्तर पश्चिम में म्यांमार से लगती हैं।</p> <p>भौगोलिक विशेषतायें :</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ देश की विशेषता ऊबड़-खाबड़, जंगल से ढके पहाड़ हैं। ➤ इसका उच्चतम बिंदु 9245 फीट पर फु बिया है। <p>प्रमुख नदी: मेकांग नदी लाओ पीडीआर से होकर बहती है, जो इसके भूगोल और परिदृश्य में योगदान देती है।</p> 

POINTS TO PONDER

- ❖ किस समिति ने महिलाओं के लिए विवाह की आयु 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करने की सिफारिश की थी? - **2020 में जया जेटली समिति ने**
- ❖ ओडिशा में सिमलीपाल टाइगर रिजर्व (एसटीआर) से कौन सी नदियाँ बहती हैं? - **बुरहाबलंगा, पलपाला बंदन, सालंदी, काहेरी और देव**
- ❖ मानव-लिखित प्रतीत होने वाले टेक्स्ट को उत्पन्न करने के लिए मानव भाषा पैटर्न और संरचनाओं को सीखने के लिए किस प्रकार के कंप्यूटर प्रोग्राम में एक टन टेक्स्ट डेटा अपलोड किया जाता है? - **एलएलएम (Large Language Model)**
- ❖ लद्दाख में पाए जाने वाले मूंगा चट्टान के जीवाश्म कहाँ स्थित हैं? - **बुर्से, पूर्वी लद्दाख हिमालय**
- ❖ माउंट वेसुवियस किस प्रकार का ज्वालामुखी है? - **कम्पोजिट स्ट्रैटोवोलकानो**

Face to Face Centres

